आंतरशाखेय जगत

माध्यमिक: (आयु 11 - 14)	आंतरशाखेय

छात्रों को ऐसा सृजनशील, असाधारण और अलग आउटपुट बनाने के लिए कहा जाएगा जो छात्रों को कई विविध विषयों में अध्ययन किए हुए कंटेंटस के साथ जोड़ेगा| इन सृजनशील उत्पादों के द्वारा ऐसा माध्यम उपलब्ध होगा जिसके द्वारा छात्र विविध शाखाएँ तथा अतीत और वर्तमान के बीच होनेवाले सम्बन्धों को स्पष्ट करने के लिए सम्भव दृष्टिकोणों के अंगीकर का प्रयास कर सकेंगे| अन्तिमत: स्कूल में उन्होने क्या बनाया है, यह वे छोटे समूहों में प्रस्तुत कर सकेंगे और उसके बारे में बता सकेंगे|

दिया हुआ समय	लगभग 10 पाठ अवधि
विषय के घटक	चुने हुए विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम के पहलूओं को विकसित करने के अवसर इस युनिट में मिलेंगे| इस उदाहरण में इतिहास, साहित्य और सामाजिक विषय/ नागरिकता से जुड़े विषय लिए गए हैं|
सृजनशीलता और आलोचनात्मक सोच	इस युनिट में **सृजनशीलता** और **आलोचनात्मक सोच** पर बल दिया गया है: अलग अलग शाखाओं के ज्ञान के बीच सम्बन्ध प्रस्थापित करना
अन्य कौशल	संवाद, सहयोग, सातत्य/ दृढता

This work was developed by teachers in Brazil for the OECD for the CERI project *Fostering and assessing creativity and critical thinking skills*. It is available under the Creative Commons Attribution-NonCommercial-ShareAlike 3.0 IGO licence (CC BY-NC-SA 3.0 IGO). © OECD

मुख्य शब्द सामाजिक अध्ययन; आंतरशाखेय; विविध शाखाओं से जुड़ा; टीम अध्यापन्

मूल्यमापन करने के लिए उत्पाद और प्रक्रियाएँ

तीन विभिन्न शाखाओं में उनके द्वारा अर्जित ज्ञान को आपस में जोड़ कर प्रस्तुत करने के लिए छात्र सहयोग करेंगे| उपलब्धी के उच्चतम स्तर पर उनका आउटपुट कल्पनाशील और असाधारण होगा तथा उसमें उच्च स्तर पर व्यक्तिगत पहलू होगे तथा विषय का ज्ञान एक्युरेट ढंग से बताया जाएगा और कई अलग विषयों में उचित सम्बन्ध जोड़ा गया होगा| छात्र चुनौति को पूरा करने के लिए कई विकल्पों पर विचार करेंगे और चुने हुए और विकल्प की स्थितियों के के मजबूत पक्ष और मर्यादाएँ तथा व्यक्तिगत नवीनता के पहलूओं के बारे में भी अच्छी समझ रखेंगे| इस प्रक्रिया में वे सक्रिय सहभाग लेंगे और दूसरों की कल्पनाएँ, आलोचनाएँ और अभिप्राय के लिए खुले होंगे|

Teaching and Learning plan

अध्यापन और अध्ययन योजना

इस योजना में यह कृति करने के लिए सम्भव चरण सुझाए गए हैं| उनकी अध्यापन परिस्थिति के अनुसार उचित होने पर अध्यापक उन्हे ठीक लगे उस प्रकार अन्य तरह से भी सुधार कर सकते हैं|

चरण	अवधि	अध्यापन और छात्रों की भुमिका	विषय का कंटेंट	सृजनशीलता और आलोचनात्मक सोच
1	पाठ अवधि 1 के पहले	अध्यापक पहले तैयारी करेंगे और विषयों के बीच होनेवाले सम्बन्धों के बारे में छात्रों को जानने के लिए हर विषय का कितना और क्या कंटेंट देना है, यह तय निश्चित करेंगे|		
2	पाठ अवधि 1 - 3 (चुने हुए विषयों के अनुसार इसे और आगे जारी रखना आवश्यक हो सकता है)	अध्यापक बताएंगे कि छात्र ऐसा सृजनशील आउटपुट बनाएंगे जिसमें विभिन्न विषयों में होनेवाले सम्बन्ध दर्शाए जाएंगे| इसके बाद अध्यापक उन्हे रुबरिक दिखाएंगे| इसके बाद विशिष्ट शाखा का कंटेंट दिखाया जाएगा| यह कंटेंट ऐसे किसी भी विषय का हो सकता है जिसमें आपको कनेक्शन्स जोड़ने होंगे और उन शाखाओं में होनेवाले विषयों के ज्ञान के बीच का समन्वय दर्शाना हो| उदाहरण के लिए: * कला: मॉडर्न आर्ट और आज की कला, आधुनिक कृतियों का निर्माण और उनपर अध्ययन; * समाजशास्त्र/ नागरिकशास्त्र: ब्राझील में अधिकार और नागरिकता- इतिहास में उपलब्धियाँ और अवरोधों का निरीक्षण कीजिए और आज के क्षण का विश्लेषण कीजिए; * इतिहास: ब्राझील का पहला प्रजासत्ताक और उसके आर्थिक और सामाजिक परिणाम|	स्थानीय पाठ्यक्रम के अनुसार किसी भी शाखा के विषय का ज्ञान (उदाहरण, आधुनिक कृतियों का फिर से अध्ययन, ब्राझील में नागरिकता का इतिहास और ब्राझील का पहला प्रजासत्ताक)	सम्बन्धित जानकारी का निरीक्षण और विवरण और विभिन्न शाखाओं के दृष्टिकोण और सम्बन्ध के समन्वय की समझ बनाना

3	पाठ अवधि 4	अध्यापक छात्रों को छोटे समूहों में बांटेंगे और उन्हे अध्ययन किए तीन विषयों के कंटेंटस के साथ जुड़े हुए और उन्हे दर्शानेवाले किसी सृजनशील, असाधारण या अलग आउटपुट को बनाने की चुनौति देंगे| पहले छात्र सम्भव आउटपुट की कल्पनाओं के लिए ब्रेनस्टॉर्म कर सकते हैं (उदा., पेंटीग्ज, कहानियाँ, नाटक, पोडकास्टस, डॉक्युमेंटरीज, मॉडेल्स, इतिहास की पुस्तकें, प्रदर्शनी, कार्टून आदि)| अगर सम्भव हुआ तो यह चर्चा छात्रों द्वारा की जा सकती है, लेकीन भुमिकाएँ लेने के लिए अध्यापक को छात्रों को प्रोत्साहन देना आवश्यक हो सकता है (उदा., कुर्सी, नोट लेना, रिसर्च का काम आदि) या उनकी सोच को सुसूत्र करना आवश्यक हो सकता है| इन विषयों में सम्बन्ध दर्शाने के लिए उनको कौनसा विकल्प अच्छा लगता है और उन्हे वह क्यों असाधारण और ओरिजिनल (किसकी तुलना में) लगता है, इसका समर्थन करने के लिए अध्यापक छात्रों से कह सकते हैं तथा पूछ सकते हैं कि क्या उन्हे लगता है वह दिए हुए समय में प्रत्यक्ष हासील किया जा सकता है| छात्र संकल्पनाओं की शॉर्टलिस्ट बनाएंगे और उसके बाद हर कल्पना के मजबूत पक्ष और मर्यादाओं का परीक्षण करेंगे और उसके बाद समूह के तौर पर वे किस कल्पना को आगे ले जाएंगे, इस पर निर्णय करेंगे|	विषय का ज्ञान कैसे दर्शाना और सम्बन्ध कैसे जोड़ना इस पर चर्चा	आउटपुट के लिए मूलभूत और असामान्य कल्पनाओं को बनाना और ढूँढना प्रस्तावित आउटपुटस के मजबूत पक्ष और मर्यादाओं को पहचानना विभिन्न शाखाओं के ज्ञान में सम्बन्ध समझना विविध शाखाओं की प्रचलित मान्यताओं को पहचानना और प्रश्न करना कई दृष्टिकोणों पर गौर करना
4	पाठ अवधि 5-9	एक बार छात्रों द्वारा उनकी निर्मिति का आउटपुट निश्चित किए जाने पर वे उसके कंटेंट के लिए आयोजन करेंगे और उसे निर्माण करेंगे| वे कौनसे पहलू सम्मीलित करेंगे और क्यों? वे कौनसे सम्बन्ध दर्शाएंगे और क्यों? उन्हे निश्चित समय दिया जाएगा और उनसे स्वतन्त्र रूप से कार्य किए जाने की अपेक्षा होगी और आवश्यक होने पर उनका कार्य पूरा करने में और उसकी प्रस्तुति में अध्यापकों का मार्गदर्शन और सहायता उन्हे मिलेगी| अध्यापक छात्रों से बात कर विषय के कंटेंट में सुधार के लिए तथा नियमित रूप से उनके कार्य का मूल्यमापन करने के लिए और उस पर मन्थन देने के	विभिन्न शाखाओं की कल्पनाओं के बीच के सम्बन्ध और विषय ज्ञान के स्पष्टीकरण को स्पष्टता से करना	व्यक्तिगत दृष्टि से नए अर्थपूर्ण आउटपुट की निर्मिति विकल्पों की तुलना में चुने हुए सोल्युशन्स पर मन्थन

		लिए उपलब्ध रहेंगे जिससे वह कार्य रुबरिक के अनुसार हो और उसमें उचित सुधार हो|		
5	पाठ अवधि 5-9	सृजनशीलता रुबरिक पर क्रियान्वयन के साथ छोटे समूहों द्वारा कार्य पर प्रस्तुति| अध्यापक और अन्य छात्र छात्रों के कार्य पर अभिप्राय देंगे जिससे उस कार्य की फिर समीक्षा की जा सकेगी और उसमें सुधार हो सकेगा| उनका उत्पाद पूरी तरह बनने तक यह प्रक्रिया कई पाठों में जारी रह सकती है|	विभिन्न शाखाओं की कल्पनाओं में होनेवाले सम्बन्ध बताना	उनका खुद का कार्य और दूसरों का कार्य इनमें होनेवाले मजबूत पक्ष और मर्यादाओं को पहचानना और समझना
6	पाठ अवधि 10	अन्ततः छोटे समूहों में उन्होने जो किया होगा, उसे वे स्कूल के सामने प्रस्तुत करेंगे| उनकी निर्मिति के साथ छात्र विषय ज्ञान के विभिन्न पहलूओं के बीच या अतीत या वर्तमान समय के बीच होनेवाले सम्बन्धों को स्पष्ट करने के लिए उनकी संकल्पनाएँ वस्तुएँ और सम्भव होनेवाले सूक्ष्म दृष्टिकोणों के साथ प्रदर्शित करेंगे| छात्रों को वस्तुओं का स्रोत भी स्पष्ट करना चाहिए| जैसा उचित हो, किए गए कदमों के बारे में, लिए गए निर्णय और इससे मिली हुई सीख के बारे में मन्थन करनेवाली चर्चा के साथ इस गतिविधि का समापन हो सकता है| सृजनशीलता और आलोचनात्मक सोच के रुबरिक के साथ उसका स्वयं- मूल्यमापन भी हो सकता है|	सामग्रियों के प्रस्तुति में तकनिकी कौशलों का विकास और आंतरशाखेय समझ के बारे में जागरूकता|	व्यक्तिगत रूप से नया होनेवाला अर्थपूर्ण आउटपुट प्रस्तुत करना सम्भव विकल्पों की तुलना में उठाए गए कदमों के बारे में और आउटपुट की नवीनता के बारे में मन्थन

Resources and examples for inspiration

अधिक प्रेरणा हेतु संसाधन और उदाहरण

वेब और प्रिंट
छात्रों को स्वतन्त्र रूप से कुछ रिसर्च करना आवश्यक हो सकता है और इसलिए उन्हे पुस्तकें और/ या इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए|
अन्य
अपने आउटपुट की निर्मिति के लिए छात्रों को आवश्यक होनेवाली रिसायकलिंग या अन्य सामग्री
अंगीकार करने, विस्तार करने और सम्पन्न होने के अवसर
यह पाठ्यक्रम के किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ाया जा सकता है|

Creativity and critical thinking rubric	Mapping of the different steps of the lesson plan against the OECD rubric to identify the creative and/or critical thinking skills the different parts of the lesson aim to develop

सृजनशीलता और आलोचनात्मक सोच का रुबरिक

ओईसीडी रुबरिक के संदर्भ में पाठ योजना के विभिन्न चरणों का मॅपिंग जिससे इस पाठ के विभिन्न हिस्सों में जिन सृजनशीलता और/ या आलोचनात्मक सोच कौशल को विकसित करने का उद्देश्य हैं, उन्हे पहचाना जा सकेगा|

	सृजनशीलता नई कल्पनाएँ और सोल्युशन्स बनाना	चरण	आलोचनात्मक सोच संकल्पना और सोल्युशन्स पर प्रश्न और उनका मूल्यमापन	चरण
पूछना	अन्य क्षेत्र की संकल्पनाएँ और माध्यम या अन्य शाखाओं की संकल्पनाओं के साथ कनेक्शन्स बनाईए|	2,3	सामान्यत: स्वीकृत कल्पनाएँ और पद्धतियों को और धारणाओं को पहचानना और उन पर प्रश्न करना	2,3
कल्पना करना	आउटपुट बनाते समय या उसकी तैयारी करते समय असाधारण और मूलभूत संकल्पनाओं के साथ खेलना	2,3,4	विविध धारणाओं के आधार पर समस्या के बारे में कई दृष्टिकोणों पर गौर करना	3
करना	एक्स्प्रेसिव गुणवत्ता दर्शानेवाली या विषय को व्यक्तिगत दृष्टि से नए ढंग से सहभाग करानेवाले आउटपुट को निर्माण कीजिए	4-6	सौंदर्यशास्त्र, तर्क और सम्भव होनेवाले अन्य निकषों के आधार पर उत्पाद, सोल्युशन या सिद्धान्त के मजबूत पक्ष और मर्यादाओं का स्पष्टीकरण कीजिए	5

मन्थन	आउटपुट बनाने में उठाए गए कदमों पर और अन्य प्रचलित विकल्पों की तुलना में आपके विकल्पों पर अपनी राय रखिए|	2,3,4	अन्य सम्भव विकल्पों की तुलना में चुने हुए सोल्युशन/ स्थिति पर अपनी राय रखिए	4,5,6

पूरक अंश

स्वयं मूल्यमापन या छात्रों के परस्पर मूल्यमापन के लिए सम्भव प्रश्न

आपने कौनसे सम्बन्ध जोड़े?

आपकी कल्पना/ सोल्युशन/ उत्पाद से जोड़े गए सम्बन्धों के बारे में आपको क्या लगता है?

आपने अन्य सम्बन्धों के बारे में क्या सोचा? ये उनसे बेहतर थे, ऐसा आपको क्यों लगा?

अन्य कौनसे सोल्युशन्स को ले कर इस तरह के सम्बन्ध उपयोगी हो सकते हैं, ऐसा आपको लगता है?

आपके उत्पाद/ कल्पना/ सोल्युशन में क्या असाधारण, जोखीमभरा या मूलभूत है, ऐसे आपको लगता है?

इस कल्पना/ उत्पाद/ सोल्युशन को और आगे कहाँ ले जाया जा सकता है ऐसे आपको लगता है? इसको आगे ले जाने में मै किस तरह सहायता कर सकता हूँ?

आपने और अन्य कौनसी सम्भावनाएँ/ कल्पनाएँ/ उत्पादों पर सोचा था और उनके साथ तुलना की थी?

अगर आपके पास अधिक समय/ संसाधन होते तो आप कौनसी दिशा में आगे बढ़ते? क्या आपको लगता है कि आप सोल्युशन को और उपयोगी/ उपयोग योग्य बना सकते थे?